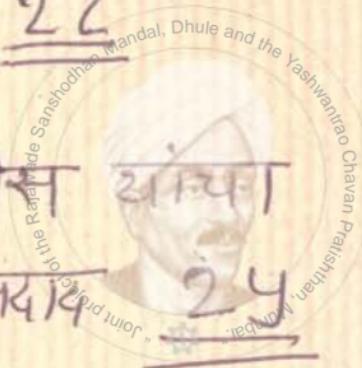


एुने पुराणे इतिहास लात

प्राप्ति प्राप्ति २८

मरोबादवा यसीस यांपा

तेवेंदः वे मोजयापि २९



कृ. ३

५. ८

पुस्तक २

अपापदमीकरणीयमी

परमित्येषीरायाद्यज्ञ

कामिल्यलिप्यमध्य

उमभिज्ञायादेयाची

रामायाणमित्रायाद्यनाम

चलेद्युक्तमित्रायाद्यनाम

(I-A)

वद्यायाद्यमार्गित्युक्तम

क्षमायाद्यमार्गित्युक्तम

वद्यायाद्यमार्गित्युक्तम

उपद्युक्तमार्गित्युक्तम

(I-B)

द्यायाद्यमार्गित्युक्तम

क्षमायाद्यमार्गित्युक्तम

वद्यायाद्यमार्गित्युक्तम

उपद्युक्तमार्गित्युक्तम

वद्यायाद्यमार्गित्युक्तम

क्षमायाद्यमार्गित्युक्तम

उपद्युक्तमार्गित्युक्तम

वद्यायाद्यमार्गित्युक्तम

क्षमायाद्यमार्गित्युक्तम

(I-D)

Digitized by the Rajawade Sanskrit Mandal, Dhule and the Sanskriti Pratishthan Mumbai."

महापर्वत यजमान तु विद्युत
प्रदूषिणी द्वारा विप्रवास
स्वर्गीय महामात्रा अभिरात
घनपती प्रधारा यजमान
एवं द्विष्टाची वर्णित शक्ति
द्वारा विप्रवास विप्रवास
स्वर्गीय महामात्रा अभिरात
प्रदूषिणी द्वारा विप्रवास
(2A)
स्वर्गीय महामात्रा अभिरात
घनपती प्रधारा यजमान
द्विष्टाची वर्णित शक्ति
द्वारा विप्रवास विप्रवास
स्वर्गीय महामात्रा अभिरात
प्रदूषिणी द्वारा विप्रवास
(2B)
स्वर्गीय महामात्रा अभिरात
घनपती प्रधारा यजमान
द्विष्टाची वर्णित शक्ति
द्वारा विप्रवास विप्रवास
(2C)
स्वर्गीय महामात्रा अभिरात
घनपती प्रधारा यजमान
द्विष्टाची वर्णित शक्ति
द्वारा विप्रवास विप्रवास
(2D)

३)

वर्णनामंडी रुपाया एवं वापिशक्तिरुपाया
 मिन्हेषप्रमोर्द्वाचेवलज्जेष्विल
 ग्रामाचेष्ट्विलिक्षिष्ठेष्विल
 वेष्टन्नेष्विलिमत्तुयात्तिर्द्विल
 ग्रामिष्ट्यरत्तेष्विलिमत्तु

(3A)

१ द्वारिलाय	११ द्वारिलाय
२ द्वारिलाय	१२ द्वारिलाय
३ द्वारिलाय	१३ द्वारिलाय
४ द्वारिलाय	१४ द्वारिलाय
५ द्वारिलाय	१५ द्वारिलाय
६ द्वारिलाय	१६ द्वारिलाय
७ द्वारिलाय	१७ द्वारिलाय
८ द्वारिलाय	१८ द्वारिलाय
९ द्वारिलाय	१९ द्वारिलाय
१० द्वारिलाय	२० द्वारिलाय

"Joint Project of the Research Sanskrut Mandal, Dhule and the Yashoda Pratishthan, Mumbai."

(3B)

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

(3-C)

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

द्वारिलाय

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

(3D)

द्वारिलाय द्वारिलाय द्वारिलाय

१	पुण्य विषय	२८	पुण्य विषय
२	संस्कार विषय	२९	संस्कार विषय
३	विषय	३०	विषय
४	विषय	३१	विषय
५	विषय	३२	विषय
६	विषय	३३	विषय
७	विषय	३४	विषय
८	विषय	३५	विषय
९	विषय	३६	विषय
१०	विषय	३७	विषय
११	विषय	३८	विषय
१२	विषय	३९	विषय
१३	विषय	४०	विषय
१४	विषय	४१	विषय
१५	विषय	४२	विषय
१६	विषय	४३	विषय
१७	विषय	४४	विषय
१८	विषय	४५	विषय
१९	विषय	४६	विषय
२०	विषय	४७	विषय
२१	विषय	४८	विषय
२२	विषय	४९	विषय
२३	विषय	५०	विषय
२४	विषय	५१	विषय
२५	विषय	५२	विषय
२६	विषय	५३	विषय
२७	विषय	५४	विषय
२८	विषय	५५	विषय
२९	विषय	५६	विषय
३०	विषय	५७	विषय
३१	विषय	५८	विषय
३२	विषय	५९	विषय
३३	विषय	६०	विषय
३४	विषय	६१	विषय
३५	विषय	६२	विषय
३६	विषय	६३	विषय
३७	विषय	६४	विषय
३८	विषय	६५	विषय
३९	विषय	६६	विषय
४०	विषय	६७	विषय
४१	विषय	६८	विषय
४२	विषय	६९	विषय
४३	विषय	७०	विषय
४४	विषय	७१	विषय
४५	विषय	७२	विषय
४६	विषय	७३	विषय
४७	विषय	७४	विषय
४८	विषय	७५	विषय
४९	विषय	७६	विषय
५०	विषय	७७	विषय
५१	विषय	७८	विषय
५२	विषय	७९	विषय
५३	विषय	८०	विषय
५४	विषय	८१	विषय
५५	विषय	८२	विषय
५६	विषय	८३	विषय
५७	विषय	८४	विषय
५८	विषय	८५	विषय
५९	विषय	८६	विषय
६०	विषय	८७	विषय
६१	विषय	८८	विषय
६२	विषय	८९	विषय
६३	विषय	९०	विषय
६४	विषय	९१	विषय
६५	विषय	९२	विषय
६६	विषय	९३	विषय
६७	विषय	९४	विषय
६८	विषय	९५	विषय
६९	विषय	९६	विषय
७०	विषय	९७	विषय
७१	विषय	९८	विषय
७२	विषय	९९	विषय
७३	विषय	१००	विषय

Joint List of the Railways Sanskrut Mandal, Dhule and the Yashwant Rao havan Paryavaran

(5)

10

परमानन्देव वस्त्रयाचा (७) स्त्रियांचे रुप
कृष्णदेवाकामुक्त विद्युती प्रवेश
पाढलो याई दृष्टि वास्त्रांचे हंगडे वा
चुर्पांचाहे उत्तम अवधारणा रुप
दृष्टि वास्त्रांचे उत्तम अवधारणा
वृत्ति वास्त्रांचे उत्तम अवधारणा
(SA)
वृत्ति वास्त्रांचे उत्तम अवधारणा
चुर्पांचाहे उत्तम अवधारणा
कृष्णदेवाकामुक्त विद्युती प्रवेश
यांची आत्मा दृष्टि वास्त्रांचे उत्तम अवधारणा
वृत्ति वास्त्रांचे उत्तम अवधारणा
(SB)

*Project of the Rajawade Sanskruti Mandal, Dhule and their
Chairman Dr. Jayant R. Shinde, M.A., Ph.D.
Editor Dr. Jayant R. Shinde, M.A., Ph.D.*

ମୁଦ୍ରାକରଣ ପରିଷଳା ପରିଷଳା

स्वामी उपर्युक्त एवं प्रतिष्ठान

କୁଣାଦେଶୀମାନୁଦେଶୀମାନୁଦେଶୀମାନୁଦେଶୀମାନ

छ) द्वितीय अवधि छोड़ा बन्ध रख

३ श्री द्वापर यज्ञो लीला भवति अस्ति यज्ञो न देहं

(50) श्रीमद्भागवत्याकृतुदिव्यप्रसादः

ରୁପ୍ୟାନ୍ୟାନ୍ତିରାମାଧିକାରୀଶ୍ଵରମହାଦେବ

શ્રીમત્યગાંઠે પદમાણિષાં નથી તો રાખુણું વાધુણું

(6A) वार्षिक विद्युत विभाग के संचयन संस्थान
का वर्षांनुसारी विवरण इस प्रकार है।

वर्ष १९८५-८६ में उपलब्ध विद्युत विभाग का विवरण इस प्रकार है।

(6B) वर्ष १९८६-८७ में उपलब्ध विद्युत विभाग का विवरण इस प्रकार है।

(6C) वर्ष १९८७-८८ में उपलब्ध विद्युत विभाग का विवरण इस प्रकार है।

(6D) वर्ष १९८८-८९ में उपलब्ध विद्युत विभाग का विवरण इस प्रकार है।

(6E) वर्ष १९८९-९० में उपलब्ध विद्युत विभाग का विवरण इस प्रकार है।

9

तिर्यकाद्यस्त्रियोऽपि विश्वामीति इति अनुवाद
महाकाव्ये गुणात् उत्तराण्डं विश्वामीति
सीमा च कृष्णाद्य एव विश्वामीति इति
अवधिकारात् उत्तराण्डं विश्वामीति इति
नात्येव विश्वामीति इति (७१)
साप्तांश्च विश्वामीति इति (७२)
द्वाष्टायोग्यात् उत्तराण्डं विश्वामीति इति
सीमाद्य एव विश्वामीति इति (७३)
उत्तराण्डं विश्वामीति इति (७४)
स्वयम्भूतं विश्वामीति इति (७५)
स्वयम्भूतं विश्वामीति इति (७६)
स्वयम्भूतं विश्वामीति इति (७७)
स्वयम्भूतं विश्वामीति इति (७८)

(8)

92

(88)

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

٩٦٢٦٠٠

१९६५ अगस्त मध्याह्न दिन को विश्वविद्यालय के भूमि पर आयोजित हुए ग्रन्थालय की उद्घाटन सेसन का एक छोटा सा दृश्य इस तरह है।

महाराजा राजेश्वरी मंडल, धुले औ यशवंतगढ़
जिल्हा संस्थानी मंडल, धुले औ यशवंतगढ़

88

ପ୍ରମାଣେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

~~କୁରୁପୁଟେଳିକ୍ଷିତିଜନ ଅଗଲା~~
~~ଦେଖୁନ୍ତାଙ୍କ ପାଶିଲାଗୁଣ ଥିଲେ~~
ଦୂରୀରୀରୀ ପାଶିଲାଗୁଣ

~~सुखितुरुपार्थेष्व द्वै गदीजनिधार्य~~

(8c)

(8c) नेत्रन्मालवद्यारीद्वाजन्दुष्टिगत्पु

ତଥାପୁରେ ପରିଚାଳନା କରିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି

ଶ୍ରୀକୃତ୍ତବ୍ୟାମିନ୍ଦ୍ରାମଣିପାତ୍ରାମଣିପାତ୍ରା

योगदर्शकम् । वस्त्रालभिर्मुखान्वितः

ବିନ୍ଦୁ ଉପରେ ନିଶ୍ଚିନ୍ଦ୍ରିୟକୋଣାମ୍ବରଧାତୁ ଗନ୍ଧ

(9)

२१

सामन्यवादी विचारणा

~~कोरिक
प्राचीनकाल~~

१३

राजनीति अंग

~~दलालपत्रिका~~

० श्रीजनराजनालुप्पिण्डी

(9A) —
~~प्र० मीठे सरावन्ती~~

—
~~कांडेली गोपन्याउमजाऊ~~

—
~~अंगमाराघयरच्छपतीनंती~~

—
~~उष्टमासामुनरवभीप्रमात~~

—
~~सामन्यात्त्वप्राप्तिपीडी~~

—
~~त्रिपुराराजनामामीप्रदाण~~

(9B) —
~~श्रीजनराजनालुप्पिण्डी~~

—
~~राजनीतिमान्त्राधराराम~~

—
~~श्रीमध्येष्ठलक्ष्मीसमानाम~~

(9C) —
~~श्रीमध्येष्ठलक्ष्मीसमानाम~~

ନହାନ୍ତିରୁ କାହାରୀରୁ ମଧ୍ୟକା

અધરીજ એવાંતર નિમન

କୁର୍ମାଦିନାଧିକାରୀ କୁର୍ମାଦିନାଧିକାରୀ

ବେଦାରୀ ନିଧି ମ୍ୟା | ଶାକବ୍ରତୀ

ବ୍ୟାକୁଳିତିରେ ପାଇଯାଇଲା

ପଦ୍ମାମନ୍ତରୀ ୧୯୮୫ ଫେବୃଆରୀ ୨୫

મંડાલ, ધુલે અને તેઓની જીવની

~~छात्रानाम्याक्षिणीयमात्रिय~~

~~the~~ ~~dates~~ ~~in~~ ~~the~~ ~~dates~~

ਦਰਮਾ ਅਨੀਂ ਭੋਰੀ ਅਨੀਂ ਭੀ

ଶ୍ରୀ ପିଲାପିଲ୍ଲା । ମିଶ୍ର । ୨୫୩

~~अहम यथा विद्युति विद्या~~

मुग्धापाद्यनिवास

(117) १८
द्वितीय लेटर मिति पाठ्यालयात दृष्टिकोण
कुमारपाल राजा राजा राजा २०००० पाठ्यालय

द्वितीय पूर्वार्थात् लिखित कुमारपाल राजा राजा

प्रेसिडेंसी मध्य लिखित कुमारपाल राजा राजा

नामों द्वारा लिखित कुमारपाल राजा राजा

किनाराम वाचन सभा द्वारा लिखित कुमारपाल

(118)

द्वितीय लेटर मिति पाठ्यालय ३२०००

(12) द्वितीय लकड़ी के अंदर बहुत सारा जल

जल आपसमें खिला गया है।

दो लकड़ी के टुकड़े जल के बीच बहुत

रख दिया गया है। जल के बीच बहुत

जल दूसरी लकड़ी के बीच बहुत बहुत

Mandal, Dhule and the
Shashwant Rao Varanjiwala
Parsadan, Member
Joint Project
Shri Rajiv De Sanskruti

जल दूसरी लकड़ी के बीच बहुत बहुत

(13)

શ

૩૮

સુધીમાણને જાહેર કરે તો દ્વારા
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
યોગદાન ન આપી ગયું હતું
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય

(13A)

પુનઃ રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય

(13B)

અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય

(13C)

અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય

(13D)

અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય
અનુભૂતિની રાજી રૂપાને વિષય

Digitized by srujanika@gmail.com
Digitized by srujanika@gmail.com
Digitized by srujanika@gmail.com

चर्विलासकर्त्तव्यानुप्रस्थ
 रजभागमैत्यनपत्तु
 धातोद्याजाहेत्वाकर्त्तव्य
 रजिष्टिप्प्रतिरूपिण्यान
 उद्दिष्ट्यन्मयाविकर्त्तव्य
 किंविद्युषान्विकर्त्तव्य
 रजिष्टिप्प्रतिरूपिण्यान
 बर्विलासकर्त्तव्यानुप्रस्थ
 यात्रिष्टिप्प्रतिरूपिण्यान
 श्री चर्विलासकर्त्तव्य
 ३३

Rajawali Sanskrit Manuscript Dharmashala Yashwantrao Chavhan Research Institute Mumbai

श्रीमद्भागवत

(15)

(२२)

अस्मिन्परम्परा तत्याजयेद्य

स्वात्मेऽजर्णवे

रक्षेताज्ज्ञेयमनुजीवीरामंस्तिमे

क्षगांनभरक्षुप्लमभेतापौष्टु॥^{१३}

(15-A)

पोमुाकुरुष्टुष्टुप्तुमिष्टुप्तु

त्वेष्टवोरेष्टुप्तुप्तुप्तुप्तु

रुक्षाम्बिन्दुमत्यन्त्यम्बिन्दुम

क्षमाक्षाम्बिन्दुमत्यन्त्यम्बिन्दुम

(15-B)

उप्तुप्तुक्षिप्तुक्षिप्तुक्षिप्तुक्षिप्तु

मादुक्षेष्टुप्तुत्यप्रोम्यम्बिन्दु

क्षमाक्षाम्बिन्दुमत्यम्बिन्दुम

यान्विष्टुप्तुयन्वादिन्दुन्

(15-C)

पाष्टुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तु

पत्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तु

क्षारुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तु

प्रतिष्ठित्वाम्बिन्दुमत्यम्बिन्दुम

(15-D)

उप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तुप्तु

क्षमाक्षाम्बिन्दुमत्यम्बिन्दुम

७ लावडा

(१६)

लावडा

८ वडापुर्ण

९ वडापुर्ण

१० वडापुर्ण

११ वडापुर्ण

१२ वडापुर्ण

१३

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

(१४)

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

(१५)

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

(१६)

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

(१७)

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण वडापुर्ण

*Joint Project
of the Radhadeo Sagodhan Mandal, Dhule and the Yashoda Chitrakar Mandal, Mumbai.*

(12)

~~विष्णु गुरु विद्यालय~~

~~मुंबई~~

~~विष्णु गुरु विद्यालय~~

~~मुंबई~~

~~कृष्ण चावणी~~

~~विष्णु गुरु~~



22

(18)

संस्कृत वाचना के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

वृत्तिगति वाचना के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

संस्कृत वाचना के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

परिवार के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

(18A)

ग्रन्थों का विवरण यहाँ दिया गया है।

दोस्रे अंकों पर विवरण दिया गया है।

मात्राएँ द्वारा विवरण दिया गया है।

प्राणी का विवरण दिया गया है।

	१	२	३
राजवाडे	२२	८	३
संशोधन मंडल	१५	३	२
चेवण्टी	२०	२	१८
लक्ष्मण	३	१	१
वाराह	२२	१८	१
दीपांकरी	४३	२७	२
(गुरु)	२०	१	१
लक्ष्मण	२०	१	१
वाराह	१०	१	१
चेवण्टी	१३	१	१
संशोधन मंडल	१५	१	१
राजवाडे	१५	१	१
लक्ष्मण	१५	१	१

(18D)

संस्कृत वाचना के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

वृत्तिगति वाचना के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

संस्कृत वाचना के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

परिवार के लिए यह संग्रह बहुत उपयोगी है।

(18E)

ग्रन्थों का विवरण यहाँ दिया गया है।

दोस्रे अंकों पर विवरण दिया गया है।

१

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

१७

१८

१९

२०

२१

२२

२३

२४

२५

२६

२७

२८

२९

३०

३१

३२

३३

३४

३५

३६

३७

३८

३९

४०

४१

४२

४३

४४

४५

४६

४७

४८

४९

५०

५१

५२

५३

५४

५५

५६

५७

५८

५९

६०

६१

६२

६३

६४

६५

६६

६७

६८

६९

७०

७१

७२

७३

७४

७५

७६

७७

७८

७९

८०

८१

८२

८३

८४

८५

८६

८७

८८

८९

९०

९१

९२

९३

९४

९५

९६

९७

९८

९९

१००

१. ग्रन्थों का विवरण

१. दोस्रे अंकों पर विवरण

१. लक्ष्मण

19

३४
कुमुदिनीवादिनीकर्णविक्रम

12

བྱାହୁ ପ୍ରକାଶ ମନ୍ତ୍ରି ପାତ୍ର ପାତ୍ର ପାତ୍ର

କାନ୍ତିରାଜୁ ଏହାପରିମାଣ ଯାଇଲା ଦେଖି

~~प्राप्ति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति~~

— କରୁଣାରୂପରେ ଦେଖିଲୁ ନାହିଁ ଏହାମାତ୍ର

पास नहीं पांच मिनी दृष्टियाँ होती हैं।

19A

(19A) यद्यपि सर्वात्मकम् अस्ति यज्ञः

କାନ୍ତିର ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ

३५४ अनुष्ठान विधि विवरण

ଦେଖିବାରୁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

卷之三

राज्यसंसद मंडल, धुले और यशवंतगढ़ का सम्बन्ध

विद्यालय संस्कृत विभाग
विद्यालय संस्कृत विभाग
विद्यालय संस्कृत विभाग

Pratishthana of the Guru

~~जोड़ विद्युत इंस्ट्रुमेंट कंपनी लिमिटेड~~

ରୋଗମହାଦ୍ୱାରା ପରିପରା କରାଯାଇଥାଏ
ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ମହାଦ୍ୱାରା ପରିପରା କରାଯାଇଥାଏ

କାହିଁ ପରିଦେଶ ପରିବାସରେ ଉପରେ ଥିଲା

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

(19c) ~~यात्रा याद्यता रसायनम् विष्णु~~

~~1999-2000~~ 2000-2001

~~Chrysanthemum~~ 300000

~~0923013196892150720666~~

2011-12-23

— རྒྱତ୍ୱ འନ୍ତରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com